Tara

बुजुर्गों के लिए...

मूल्य - 5 रुपये

तारांशु

मासिक

दिसम्बर, 2014

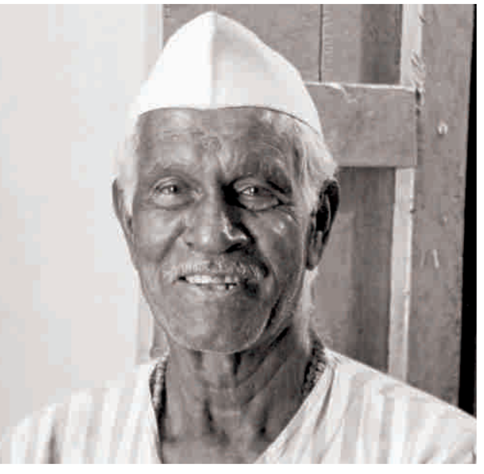

इन आँखों की चमक और चेहरे की मुस्कराहट का कारण बने आप और हम

वर्ष 3, अंक 5, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

- आशीर्वाद -

डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

- आभार -

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक,
प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

आनन्द वृद्धाश्रम वासी ऐतिहासिक पर्यटन स्थल मोती मगरी के भ्रमण पर

आनन्द वृद्धाश्रम वासी स्पेशल लंच का आनन्द लेते हुए
(सौजन्य : श्रीमती पुष्पा देवी, लेस्टर, यू.के.)

.... अनुक्रमणिका ....

विषय		पृष्ठ क्रमांक
आनन्द वृद्धाश्रम के वासियों की विभिन्न गतिविधियाँ	–	02
एक विश्वास....	–	04
1000 वाँ शिविर : एक छोटा सा पड़ाव	–	05
गौरी योजना	–	06
तृप्ति योजना	–	07
आनन्द वृद्धाश्रम	–	08
मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन शिविर, वृद्ध दिवस का आयोजन	–	9-12
कुछ गणमाण्य व्यक्तियों की नज़र में तारा संस्थान	–	13
''छोटे छोटे बच्चों ने दिया प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत का संदेश''	–	14
तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान	–	15
''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''	–	16
Tara Contacts	–	17
We are grateful to them	–	18
विविध प्रसंग एवं Procedure to make Donation	–	19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव', संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश 'मानव' की सन्निधि में,

तारांशु मासिक, दिसम्बर, 2014

'तारांशु' – स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240–ए, हिरण मगरी, सेक्टर – 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच – III, उद्योग केन्द्र एक्टेंषन – II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेष) में मुद्रित, सम्पादक – श्रीमती कल्पना गोयल

एक विश्वास....

तारा संस्थान जैसा कि आप सब जानते हैं मुख्यतया बुजुर्गों के लिए ही काम कर रही है जिनमें मोतियाबिन्द ऑपरेशन, वृद्धाश्रम, तृप्ति योजना आदि है, सिर्फ गौरी योजना इन सबसे अलग हट कर है, जहाँ हम कम उम्र की विधवा महिलाओं के बैंक अकाण्उट में 1000/– रु. प्रतिमाह जमा कराते हैं।

गौरी योजना हमारे मुख्य कार्यक्षेत्र से हटकर है लेकिन फिर भी ''गौरी योजना'' को मैं अपने करीब पाती हूँ शायद इसलिए कि मैं भी एक महिला हूँ और उन विधवा महिलाओं की अवस्था समझती हूँ जिनके पास अपने छोटे–छोटे बच्चों को पालने के अधिकतर रास्ते पति के देहांत के बाद बंद से हो गए हों।

आप लोग मुझपर महिलाओं के प्रति पक्षपात का आरोप भी लगा सकते हैं, लेकिन आँखों में आंसू भरे, गोद में या अंगुली पकड़े नन्हे बच्चे लेकर 20–25 साल की लड़कियाँ मेरे ऑफिस के बाहर आती हैं तो मैं उनको कैसे मना करूँ कि मैं मदद नहीं कर सकती। लेकिन हमारी भी मजबूरी है कि जितना सहयोग मिलता है उसी अनुपात में मदद कर पाते हैं। लेकिन कभी – कभी तो कुछ महिलाओं की स्थिती तो इतनी बदतर होती है कि मना करते नहीं बनता ऐसी ही एक महिला रेखा लौहार अभी 15–20 दिन पहले मेरे पास आई थी। उनके पति की मृत्यु 6 साल पहले हो गई थी। तीन बेटियाँ है 12 वर्ष और 7 वर्ष की और 5 वर्ष की, पति की मृत्यु के बाद उसके ससुराल वालों ने घर से बाहर निकाल दिया। किसी बाड़े में अपने बच्चों के साथ रह रही है इतनी बड़ी बच्चियों को भी शौच के लिए नाली में जाना पड़ता है।

रेखा अभी कुछ घरों में साफ सफाई का काम करती है लेकिन इतने छोटे बच्चों को छोड़कर ज्यादा घर से बाहर भी नहीं रह सकती है। जब भी मैं इस प्रकार की किसी औरत से मिलती हूँ तो बस यही प्रश्न आता है कि ''ईश्वर इतनी तकलीफ इन लोगों को क्यों''?? और शायद इनकी तकलीफ को कम करने ही ईश्वर हमारे पास भेज रहा है.... जो भी है, ऐसी महिला को मना करना मेरे वश में नहीं था चाहे दानदाता हो या ना हो मैंने रेखा जी को सहायता के लिए हाँ कर दी और उनका नाम गौरी की जगह तृप्ति योजना में डाला क्योंकि मुझे लगा अभी उसकी सबसे बड़ी जरूरत उसका और बच्चों का पेट भरना है सो उसे हर माह राशन तारा संस्थान की तरफ से दिया जा रहा है।

मुझे बहुत अच्छे से पता है कि जितने लोगों को हम तारा के माध्यम से सहायता पहुँचा रहे हैं वो बहुत कम है और इस क्षेत्र में हमारे पास ढेरों लोग मदद चाहने के लिए आते हैं और आते रहेंगे, सबकी तो नहीं लेकिन जो बेहद जरूरतमंद हैं उनकी मदद हम कर दें यही प्रयास है.... और कहते हैं न कि ईश्वर दर्द देता है तो साथ साथ मरहम भी तैयार कर देता है तो बस कोई बहुत दुखी आएगा तो उसका हाथ थामने वाला एक हाथ भी हमारी और बढ़ जाएगा.... यही विश्वास है।

आदर सहित....

कल्पना गोयल

1000 वाँ शिविर : एक छोटा सा पड़ाव

तारा संस्थान के लिए दिनांक 22 अक्टूबर, 2014 विशेष बन गई क्योंकि इस दिन तारा संस्थान के तीनों अस्पतालों – तारा नेत्रालय, उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई में संस्थान का 1000 वाँ शिविर आयोजित किया गया। आज से लगभग तीन वर्ष पूर्व जब पहला नेत्र चिकित्सालय 6 अक्टूबर, 2011 को खुला था तो हमें भी पता नहीं था कि काम किस तरह से होगा क्योंकि मुख्यतया दान पर आधारित कोई अस्पताल लगातार काम कैसे करेगा.... ये सोच थोड़ा डराती भी थी। लेकिन आप सबका साथ मिला और 24 अक्टूबर, 2012 को दिल्ली फिर 13 अक्टूबर, 2013 को मुम्बई में तारा नेत्रालय खुले। इन तीनों अस्पतालों के माध्यम से बहुत से शिविर आयोजित किए जाते रहे हैं।

तारा नेत्रालय, उदयपुर उन गाँवों और आदिवासी क्षेत्रों में शिविर लगाता है जहाँ लोग अज्ञानता या अशिक्षा की वजह से आँखों का इलाज ही नहीं कराते हैं। तारा नेत्रालय, उदयपुर में ऐसे कई रोगी आते हैं जिनकी आँखों की ज्योति Hyper Mature Cataract (अत्यंत बढ़ा हुआ मोतियाबिन्द) के कारण खत्म होने की अवस्था में होती है और जब उनसे यह पूछा जाता है कि अगर आपके गाँव में कैम्प नहीं लगता और आप ऑपरेशन के लिए नहीं आते तो क्या होता तो लगभग सबका एक ही जवाब होता है ''कुछ नहीं होता।'' इसी ''कुछ नहीं'' को सही करने में कैम्प महत्वपूर्ण है क्योंकि वे नहीं ऑपरेशन करवाएँगे तो आँख की रोशनी चली जाएगी और भारत में अभी भी लाखों लोग इस छोटे से ऑपरेशन नहीं कराने के कारण आँखों की रोशनी खो चुके हैं और जहाँ अज्ञान या अशिक्षा इतनी है वहाँ ऑपरेशन के लिए आवश्यक धन कहाँ होता है तो हमें हमारे दानदाता वो उपलब्ध करा देते हैं और उनके इसी सहयोग से हजारों गरीब लोगों के चेहरों पर मुस्कुराहट आ जाती है।

जहाँ जक तारा नेत्रालय, दिल्ली व मुम्बई की बात करें इन दोनों महानगरों में बहुत बड़ी तादाद में अति निम्न आय वर्ग के लोग हैं, ये आपकी बाई हो सकती है या कोई ऑटो वाला या दिहाड़ी मजदूर या फिर झुग्गी में रहने वाला कोई और इस तरह के लोग अत्यंत साधारण से मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए 4–5 हजार रुपया नहीं जुटा सकते क्योंकि ये उनके महीने भर की कमाई होती है जिससे उनका पूरा परिवार पलता है। कहने में अच्छा नहीं लगता लेकिन कई बार गाँवों या महानगरों में भी बुजुर्ग घर का एक बेकार हो चुका हिस्सा होते हैं जिनके ऊपर पैसे खर्च करना व्यर्थ होता है। यहीं हमारे शिविरों की महत्ता सिद्ध होती है इन महानगरों की छोटी छोटी बस्तियों, मंदिरों, गुरुद्वारों में ये शिविर लगाए जाते हैं ताकि उन लोगों तक ''तारा'' पहुँचे जिन्हें वाकई जरूरत है और आप सबकी मदद से हम ये कर पा रहे हैं।

1000 शिविर कोई उपलब्धि नहीं है लेकिन कुछ कर लेने की खुशी है और हम यह खुशी आप सब के साथ इस लेख के जरिये बांट रहे हैं। आप सब को बहुत सारी बधाई क्योंकि तारा से जुड़ा हर छोटा बड़ा दानदाता ही कर्त्ता है, हम लोग बस माध्यम हैं।

सभी को इस छोटे से पड़ाव के लिए ढेर सारी शुभकामनाओं के साथ....

आपका

दीपेश मित्तल

गौरी योजना

श्रीमती यशोदा टेलर (उम्र 43 वर्ष) पिछले 7 सालों से विधवा हैं। उदयपुर निवासी यशोदा के पास न कोई नौकरी, न ही कोई काम–धंधा है। बहुत ही लाचारी में जिन्दगी गुजार रही हैं जबकि इनके ऊपर दो पुत्रियाँ (18 और 14 वर्ष) की जिम्मेदारी है। सो, तारा संस्थान ने इनकी दुर्दशा पहचानते हुए इन्हें गौरी योजना में सम्मिलित करने का निश्चय किया और इन्हें इस प्रकार प्रतिमाह 1000/– रु. नकद आर्थिक सहायता दी जा रही है।

इन्द्रा पाहुजा (उम्र 42 वर्ष), सविना, उदयपुर की रहने वाली है। इनके पति की सन 2010 में हार्ट – अटेक से मृत्यु हो गई तबसे इनका जीना दूभर सा हो गया है। इनके पति ने कोई पैसा या घर नहीं छोड़ा सो किराये के मकान में अपनी इकलौती पुत्री (आयु 13), जो की कक्षा 8 में पढ़ती है, के साथ रहती हैं। इन्द्रा पूर्णतः निराश्रित हैं परन्तु हर हाल में अपनी बेटी को पढ़ाना चाहती है सो लोगों के घरों में खाना बनाने का काम करके जैसे–तैसे अपना घर चला रही है। तारा संस्थान को जब इनकी स्थिति मालूम हुई तो उन्हें गौरी योजना के तहत संबल प्रदान किया।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों, तो कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

जितनी हो सकती है उतनी सेवा करें, हृदय को शुद्ध करने के लिए सत्संग करें।
यदि संत न मिले तो सद्ग्रन्थों का स्वाध्याय ही संत्सग है।

तृप्ति योजना

धापू बाई सालवी (उम्र 75 वर्ष) ग्राम – वरणी, तहसील – वल्लभनगर, जिला – उदयपुर निवासी अतिनिर्धन, असहाय एवं वृद्ध स्त्री हैं। इन्हें किसी प्रकार का कोई सहारा नहीं है। बल्कि इतनी उम्र में भी मजदूरी करके गुजर–बसर करती हैं। इनके पुत्र का देहान्त हो चुका है जबकि 25 वर्षीय एक पोते का भरण–पोषण भी धापू बाई के ऊपर ही है। इनको अभी 400 रुपये वृद्धावस्था पेंशन मिलती है परन्तु वह पर्याप्त नहीं है। ऐसी स्थिति में तारा संस्थान की तृप्ति योजना में जब इन्हें लिया गया तो इन्हें लगा कि अब जीवन की नैया जैसे–तैसे पार लग जाएगी।

फेफली बाई गाडरी 80 वर्षीय विधवा वृद्धा है। ये यूं तो गाँव – वरणी, तहसील – वल्लभनगर की रहने वाली है। पर सिर छिपाने हेतु कोई मकान नहीं है सो गाँव के मंदिर में ही रहती है। इनका एक बेटा है लेकिन उससे भी कोई सहारा नहीं, रिश्तेदारों की बात तो दूर की है। इनके तो मात्र दो समय के भोजन की व्यवस्था हो जाए तो वही पर्याप्त है। सो तारा संस्थान ने इन्हें तृप्ति योजना के अन्तर्गत सम्मिलित कर इन्हें महीने भर का राशन व नकद 1000/– रु. प्रतिमाह की सहायता पहुँचाना शुरू कर इस वृद्धा को सम्बल दिया है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है।
आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

जीवन में बहुत सी महत्त्वपूर्ण चीजों को हम तब पहचानते हैं, जब उन्हें खो देते है।

आनन्द वृद्धाश्रम

शांता देवी पौद्दार, 78 वर्षीय शांता देवी का जीवन बड़े उतार–चढ़ाव भरा है। छोटी उम्र में ही अपने से काफी ज्यादा उम्र के व्यक्ति के साथ उनकी शादी हो गई। पति 60 वर्ष पहले गुजर गए। वह अकेली 5 वर्ष तक वृंद्धावन में रही फिर उदयपुर लौट आई। एक पुत्र व्यवसायी है लेकिन अपनी बहु से शांता देवी की नहीं बनती है। इनका मकान भी बहू – बेटे ने धंधे में नुकसान की बात कहकर बिकवा दिया और सारे पैसे उन्होंने स्वयं रख लिए। शांता देवी को अखबार द्वारा आनन्द वृद्धाश्रम के बारे में पता चला तो यहाँ चली आई। अब वह शांति पूर्वक यहाँ सब सुविधाओं सहित अपना जीवन व्यक्ति कर रही हैं।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह - 5000 रु., 03 माह - 15000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

वृद्धाश्रम आवासियों से कोई शुल्क नहीं लिया जाता है। उनके लिए वृद्धाश्रम की सभी सेवाएँ सुविधाएँ - भोजन, वस्त्र, आवास, चिकित्सा देखभाल आदि, सर्वथा निःशुल्क हैं।

घर की शांति के लिए ऐसे प्रयास करें

वक्त–बेवक्त चिल्लाएं नहीं।
जानवरों एवं नौकरों से प्रेमपूर्ण बर्ताव करना और उनसे भी अच्छा बर्ताव अपने साथियों से करना।
अपनी गलती स्वीकार करने की कोशिश करें।
किसी को दबाने की कोशिश नहीं करें।
एक दुसरे की बुराई न करें।
सबकी भावनाओं की कद्र करें।
सबकी योग्यता एवं प्रतिभा को प्रोत्साहन दें।
गुस्सें में जवाब नहीं दे।
क्रोंध में किसी को गलती न बताएं बल्कि अकेले में प्रेम से बताएँ
आज का झगडा कल तक न चलाऐं।
आपस में एक दुसरे का उपकार मानें ।
क्षमा करने की व भूलने की क्षमता रखें।
आपसी झगडे का लाभ दूसरे न उठालें इसका ध्यान रखें।
सबकों नहीं खुद को सुधारना आवश्यक समझें।
हमेंशा एकता बनाऐं रखें।

कार्य की सफलता पर ध्यान दें, व्यक्तिगत प्रसिध्दि पर नहीं।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली व मुम्बई स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

दानदाताओं के सौजन्य से माह नवम्बर, 2014 के मध्य आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय, उदयपुर में आयोजित शिविर

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
12.11.2014	श्री प्रदीप जैन, निवासी - सूरत (गुज.)	134	18	35	18
13.11.2014	मैसर्स अग्रवाल एसोसिएटेड (श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल) एवं श्रीमती पुष्पा अग्रवाल, यू.पी.	157	28	36	50

तारा नेत्रालय, दिल्ली में आयोजित शिविर

03.11.2014	निधि जैन, दिल्ली	105	06	75	60
06.11.2014	तारा नेत्रालय, दिल्ली	11	08	72	50
08.11.2014	तारा नेत्रालय, दिल्ली	105	05	50	62
10.11.2014	तारा नेत्रालय, दिल्ली	150	10	103	55
14.11.2014	तारा नेत्रालय, दिल्ली	100	07	69	50

तारा नेत्रालय, मुम्बई में आयोजित शिविर

08.11.2014	श्री नरेन्द्र कुमार सचदेवा, मुम्बई	50	05	05	15

श्रीमती लक्ष्मी बाई, उदयपुर

श्री देवीलाल जी, उदयपुर

श्रीमती नर्मा देवी, दिल्ली

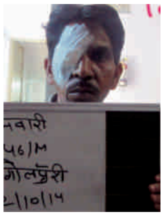

श्री बनवारी जी, दिल्ली

श्रीमती गीता जी, मुम्बई

श्री अर्जुन जी, मुम्बई

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रति शिविर - 21000 रु.

जीवन के 16 मूल आधार

1. आनन्द के लिये – संगीत
2. खाने के लिये – गम
3. पीने के लिये – क्रोध
4. निगलने के लिये अपमान
5. व्यवहार के लिये – नीति
6. लेने के लिये – ज्ञान
7. देने के लिये – दान
8. जीतने के लिये – प्रेम
9. धारने के लिये – धैर्य
10. तृप्ति के लिये – संतोष
11. त्यागने के लिये – लोभ
12. करने के लिये – सेवा
13. प्राप्त करने के लिये – यश
14. फैंकने के लिये – ईर्ष्या
15. रखने के लिये – इज्जत
16. बोलने के लिये – सत्य

जैसे जीवन की अन्य बातों को आप रोज करते हैं,
वैसे ही भगवान के भजन के लिये भी प्रतिदिन समय निकालें।

दानदाताओं के सौजन्य से आयोजित शिविरों के विवरण व फोटो

शिविर दिनांक	सौजन्यकर्त्ता	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
06.11.2014	श्री सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, दिल्ली	कोसीकला (यू.पी.)	530	12	228	511
09.11.2014	जय श्री कृष्णा	नांगलोई, दिल्ली 41	1015	10	465	856
09.11.2014	सुश्री कैलाश अरोड़ा, बी.के. दत्त कॉलोनी, दिल्ली	हरिनगर, नई दिल्ली	421	02	215	390
09.11.2014	गोकुल भोग आटा, निवासी - कैलाशपुरी, दिल्ली	दिल्ली	358	03	250	300
16.11.2014	श्री मनोज कुमार शौकीन	निरंकारी पार्क, नई दिल्ली	1000	18	600	900
16.11.2014	श्रीमती स्वर्ण जैन धर्मपत्नी श्री हंसराज जैन	समयपुर, दिल्ली	1540	10	800	1300
19.11.2014	श्री अशोक भाई एवं विनु भाई पटेल, सूरत (हीरा बाजार)	चित्तौड़गढ़ (राज.)	198	06	25	180
23.11.2014	जय श्री राम	उत्तम नगर, नई दिल्ली	250	10	110	200
23.11.2014	आहुजा परिवार	सरित विहार, नई दिल्ली	480	20	260	450
24.11.2014	राजस्थान क्लब (देश की प्रमुख सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था)	मथुरा रोड़, नई दिल्ली	332	11	140	328
24.11.2014	श्री मनोज कुमार एवं श्रीमती रेनु शौकीन	नांगलोई, दिल्ली	1200	34	660	1175
30.11.2014	टकियार एवं गुगनानी फाउण्डेशन, दिल्ली	नई दिल्ली	570	05	350	525

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से ''The Ponty Chaddha Foundation''के सौजन्य से आयोजित शिविर

स्व. श्री पोण्टी चड्डा

शिविर का एक दृश्य

शिविर दिनांक	स्थान	ओ.पी.डी.	चयनित रोगी	चश्मे	दवाई
06 नवम्बर, 2014	गुरुद्वारा श्री गुरुनानक दरबार डोंगरी पाड़ा, जी.बी. रोड़, ठाणे (वे.), मुम्बई	180	05	30	38
09 नवम्बर, 2014	श्री गुरुनानक दरबार, मुम्बई गुरुद्वारा रोड़, मुलुण्ड कॉलोनी, मुम्बई	167	13	35	37
16 नवम्बर, 2014	श्री गुरु गोविन्द सभा (रजि.), गुरुद्वारा टेगोर नगर, विक्रोली (ई.), मुम्बई	190	17	59	77
23 नवम्बर, 2014	गुरुद्वारा श्री नगर शहीद भगत सिंह सोसायटी, जे.बी. नगर, अंधेरी (ई.), मुम्बई	207	10	49	57

इस शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं।

मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान उदयपुर , दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

तृप्ति योजना सेवा

(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता) 01 माह - 1500 रु., 06 माह - 9000 रु., 01 वर्ष - 18000 रु.

गाँधी जी के प्रेरक प्रसंग

गाँधी जी ट्रेन में जा रहे थे। एक आदमी ने दो पृष्ठ कागज में गालियाँ लिखकर गाँधी जी को दे दी। वहीं अच्छी बात यह थी उन कागजों में एक आलपिन लगी हुई थी। गाँधी जी ने सारी गालियाँ पढ़ीं और पढ़ने के बाद मुस्कराये। आलपिन निकाल ली। उन्होंने कहा – मुझे कई चिट्ठियाँ लिखनी पड़ती है। तुम बड़े अच्छे आदमी हो मेरे उपयोग के लिये जो था वो तो मैंने ले लिया ये आलपीन। बाकी जो कुछ है तुम्हारे उपयोग का है, तुम ले जाओ। आप विचार करिये यदि ऐसी सहिष्णुता रहे तो परिवार में विवाद कहाँ होगा?यदि आपने किसी को कुछ कह दिया तो वह सहन कर ले और किसी ने आपको कह दिया तो आप सह लें। यदि सहनशीलता परिवार में बढ़ जाती है, तो लोग अपने आप धीरे–धीरे बोलना बन्द कर देते है। क्षमा आनी चाहिए।

मनुष्य जीवन की सार्थकता इसी में है कि दूसरों की सेवा करें।
सेवा का भाव तभी जागेगा जब हम दूसरों के भीतर परमात्मा को देखें।

Tara बुजुर्गों के लिए...

सचदेवा एवं सोनी परिवार द्वारा 12 शिविर का संकल्प

श्री रमेश सचदेवा (प्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली) जो कि तारा संस्थान के संरक्षक भी है, ने एक वर्ष में 12 शिविर दिल्ली एवं आस–पास के क्षेत्रों में करवाने हेतु सहयोग किया है प्रथम शिविर दिनांक 29.11.2014 को दिल्ली में सुश्री ऋचा सोनी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया जिसमें जाँच, एवं चश्मा – दवाइयाँ मुफ्त वितरित की गई और 7 रोगियों का मोतियाबिन्द ऑपरेशन हेतु चयन किया गया।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया

के सौजन्य से तारा संस्थान ने 250 नि:शक्त जनों के मोतियाबिन्द ऑपरेशन सफलतापूर्वक करवाए।

इस माह के भामाशाह

डॉ. रघुवीर नागपाल, बहादुरगढ़ (हरियाणा) ने अपनी पत्नी स्व. इन्द्रा नागपाल के स्मृति में 51,000/– का सहयोग किया। वे संस्थान से 6 वर्ष जुड़े हुए है एवं हर माह दो बुजुर्ग के लिए सहयोग करते है। तारा परिवार उनका हार्दिक अभिनन्दन करता है।

तर्क करें, पर तकरार न करें

तकरार और बहस से बचा जा सकता है, और थोड़ी सावधानी बरतकर इंसान मन की बहुत सी तकलीफों से बच सकता है। किसी बहस को जीतने का सबसे अच्छा तरीक़ा है कि उसमें पड़ा ही न जाए। बहस एक ऐसी चीज़ है जिसे जीता नहीं जा सकता, क्योंकि अगर हम जीतते हैं तो भी हारेंगे और अगर हारते हैं तो भी हारेंगे। अगर हम एक बहस में जीतते हैं मगर एक अच्छी नौकरी, ग्राहक, दोस्त या जीवनसाथी खो देते हैं, तो यह कैसी जीत है? बिलकुल खोखली। बहसबाजी झूठे अहंकार से पैदा होती है। बहस करना हारी हुई लड़ाई को लड़ने के समान है। अगर कोई जीतता भी है तो उसे हासिल होने वाली चीज़ से ज्यादा कीमत चुकानी पड़ती है। जज्बाती लड़ाईयाँ हमारे जीत जाने के बाद भी दिलों में दर्द छोड़ जाती हैं। बहस में दोनों व्यक्ति अपनी – अपनी बात मनवाने पर तुले होते हैं। बहसबाजी केवल अहंकार की ऐसी लड़ाई है, जिसमें एक–दूसरे पर चिल्लाने की होड़–सी लगी होती है। जो यह समझता है कि वह सब–कुछ जानता है वह तो बेवकूफ है ही, लेकिन उससे बड़ा बेवकूफ वह है जो उससे बहस करता है।

चीजें हमें वैसी दिखती हैं जैसे हम हैं

यह एक ऐसे बुद्धिमान व्यक्ति की कहानी है, जो अपने गाँव के बाहर बैठा हुआ था। एक यात्री उधर से गुज़रा और उसने उस व्यक्ति से पूछा, ''इस गाँव में किस तरह के लोग रहते हैं, क्योंकि मैं अपना गाँव छोड़ कर किसी और गाँव में बसने की सोच रहा हूँ?'' तब उस बुद्धिमान व्यक्ति ने पूछा, ''तुम जिस गाँव को छोड़ना चाहते हो, उस गाँव में कैसे लोग रहते हैं?'' उस आदमी ने कहा, ''वे स्वार्थी, निर्दयी और रूखे हैं।'' बुद्धिमान व्यक्ति ने जवाब दिया, ''इस गाँव में भी ऐसे ही लोग रहते हैं।'' कुछ समय बाद एक दूसरा यात्री वहाँ आया, और उसने उस बुद्धिमान व्यक्ति से वही सवाल पूछा। बुद्धिमान व्यक्ति ने उससे भी पूछा,''तुम जिस गाँव को छोड़ना चाहते हो, उसमें कैसे लोग रहते हैं?'' उस यात्री ने जवाब दिया, ''वहाँ के लोग विनम्र, दयालु और एक–दूसरे की मदद करने वाले है।'' तब बुद्धिमान व्यक्ति ने कहा, ''इस गाँव में भी तुम्हें ऐसे ही लोग मिलेंगे।'' आम तौर पर हम दुनिया को उस तरह नहीं देखते, जैसी वह है, बल्कि जैसे हम खुद हैं, वेसी देखते हैं। ज्यादातर मामलों में, दूसरे लोगों का व्यवहार हमारे ही व्यवहार का आईना होता है। अगर हमारी नीयत अच्छी होती है, तो हम दूसरों की नीयत भी अच्छी मान लेते हैं। हमारा इरादा बुरा होता है, तो हम दूसरों के इरादों को भी बुरा मान लेते हैं।

आप भी 8000/– रु. देकर एक बच्चे की वर्ष भर की शिक्षा का खर्च वहन कर सकते है, जिसमें शामिल है.... वार्षिक फीस, मासिक फीस, किताबें, कॉपी, स्टेशनरी, बेग, परिवहन व्यवस्था

जिन्दगी में जो भी आप करना चाहते हैं, पूरे आत्मविश्वास के साथ कीजिए, सफलता अवश्य आपके कदम चूमेगी।

ANAND VRIDDHASHRAM PRAISED BY THE GOVT. OF INDIA

Mr. Sudhir Bhargav on the left side

Mr. Sudhir Bhargava, (Secretary, Ministry of Social Justice Empowerment, Government of India) visited Tara Sansthan's "Anand Vridhashram" (Old Age Home) on 16th Nov. 2014. He was very impressed by the whole set-up. Quoted below are his comments:

"It was my pleasure to visit the Old Age Home run by Tara Sansthan, Udaipur. The 'home' is well-managed, well-maintained and run by dedication and zeal. The personnel associated with the home take care of the inmates who are quite content and satisfied with the facilities provided. The centre was advised to provide some vocational training. Skill up-gradation which would keep senior citizens not only engaged and active but also make them more proactive.

The 'Home' ensures that the senior citizens live with dignity and age gracefully. I wish that the centre continues the good work and strives to be among the best old age homes for the senior citizens."

कुछ गणमाण्य व्यक्ति जिन्होंने तारा नेत्रालय को ऑपरेशन कराने के लिए चुना

मैं **डी.एन. पालीवाल** (रिटायर्ड प्रिंसिपल, शिक्षा विभाग, राजस्थान) तारा संस्थान का मेरी आँखों के सफल ऑपरेशन हेतु आभारी हूँ। हाँलाकि मैं किसी निजी अस्पताल से भी यही सेवाएँ प्राप्त कर सकता था परन्तु चूंकि मैं नारायण सेवा संस्थान से भी जुड़ा हुआ हूँ अतःएव विश्वास था कि तारा संस्थान मेरी अपेक्षानुरुप होगा। तारा नेत्रालय की विभिन्न सेवाओं को देखकर मैं दावे से कह सकता हूँ कि ये वर्ल्ड–क्लास सुविधाएँ हैं। जाँच, उपकरण से लेकर कुशल चिकित्सकों द्वारा ऑपरेशन एवं पोस्ट ऑपरेशन वार्ड सब स्वच्छ एवं हाईजिनिक हैं। निःसंदेह तारा नेत्रालय के सेवा प्रकल्पों की जितनी प्रशंसा की जाए उतनी कम है।

खेम चन्द अग्रवाल (प्रबन्धक, राजस्थान राज्य सहकारी भूमि विकास, उदयपुर) : मुझे यह बताते हुए परम हर्ष ही नहीं अपितु गौरव की अनुभूत्ति हो रही है कि तारा संस्थान में चिकित्सा के दौरान उचित देखभाल, साफ सुथरे नये बिस्तर, बेड व वार्ड व ऑपरेशन थियेटर निश्चित रूप से गरीबों, असहाय ही नहीं सक्षम लोगों के लिए भी आसानी से उपलब्ध है। मैं तारा संस्थान परिवार से प्रत्यक्ष–अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी जनों को अनेक बार साधुवाद देता हूँ और प्रार्थना करता हूँ कि ईश्वर की कृपा सेये जीवन पर्यन्त असहाय, नेत्रहीव, वृद्धों की अनुकरणीय सेवा करते रहें।

श्री **शांतिलाल सिंघल**, उदयपुर। मेरी बाईं आँख में मोतियाबिन्द के कारण मुझे धुंधला दिखाई देता था। इस कारण टी.वी. व अखबार पढ़ने में समस्या आता थी। मुझे तारा संस्थान के बारे में पता चला। वहाँ जाकर डॉ. लीना मैडम को बताया तो उन्होंने ऑपरेशन के बारे में कहा फिर दो दिन बाद ऑपरेशन की तारीख लेकर ऑपरेशन करवाया। ऑपरेशन करवाने के बाद मुझे पूर्ण आराम है बिना चश्मे के अखबार पढ़ लेता हूँ। ऑपरेशन वास्ते संस्था ने काई भी शुल्क राशि नहीं ली। संस्था के कार्य से पूर्णतः संतुष्ठ हूँ।

श्री गोपाल जी भूतड़ा (आयु 67 वर्ष) : मैं 'जनजाति निगम' से रिटायर्ड हूँ। आठ दिन पहले मेरी बहन का मोतियाबिन्द ऑपरेशन तारा नेत्रालय में हुआ। तारा संस्थान के जाँच, उपकरण एवं डॉक्टरों की प्रशंसा सुनकर मैंने भी यहीं ऑपरेशन करवाया। सम्पूर्ण रूप से संतुष्ट हूँ और तारा नेत्रालय को साभार धन्यवाद अर्पित करता हूँ।

''छोटे छोटे बच्चों ने दिया प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत का संदेश''

शिखर भार्गव पब्लिक स्कूल में प्रस्तुती देते नन्हे बच्चे

समारोह में बच्चों को आशीर्वाद देने पधारे परम आदरणीय डॉ. कैलाश जी मानव व उनके साथ श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव

श्रीमती पुष्पा जी भार्गव, श्री राहुल भार्गव व श्रीमती कल्पना अग्रवाल बच्चों को उपहार स्वरूप स्कूल बैग देते हुए।

तारा संस्थान, उदयपुर द्वारा स्व. श्री शिखर भार्गव की स्मृति में संचालित सरस्वती विद्या निकेतन का प्रथम वार्षिकोत्सव आज विद्यालय प्रांगण में मनाया गया। वार्षिक उत्सव में लोकगीत, देशभक्ति गीत व फिल्मी गानों पर नन्हें–मुन्हें बच्चों ने नृत्य प्रस्तुत किए। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण में नन्हें बच्चों द्वारा सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी नहीं करने के संदेश को प्रस्तुत करती लघु नाटिका थी। कार्यक्रम में बच्चों ने फैशन शो भी किया जिसमें भारत के विभिन्न प्रातों की पोशाके पहनकर बच्चें ने देश की विविधता में एकता का संदेश ''मिले सुर मेरा तुम्हारा'' गीत पर दिया। कार्यक्रम में नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक श्री कैलाश मानव ने स्कूल के बच्चों व शिक्षकों को आशीर्वाद दिया और बच्चों के कार्यक्रम की सराहना की। मुख्य अतिथि दिल्ली के उद्योगपति एवं समाज सेवी श्री नगेन्द्र प्रकाश भार्गव ने कहा, ''इस तरह के कार्यक्रम बच्चों की झिझक दूर कर उनमें आत्मविश्वास जगाते हैं और विद्यालय के शिक्षकों ने बच्चों में उत्साह का संचार किया है।'' कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि श्री राहुल भार्गव, श्रीमती पुष्पा भार्गव व श्रीमती कल्पना अग्रवाल थे। कार्यक्रम में इंग्लैण्ड की दुर्गा भजन मण्डली के संचालक श्री के. आर. पाराशर व उनके सहयोगी भी विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित थे। तारा संस्थान की अध्यक्षा श्रीमती कल्पना गोयल ने बताया कि इस विद्यालय में गरीब विधवा महिलाओं के बच्चों के लिए पूर्णतया निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था है इसमें उनको किताबें व ऑटो भी संस्था की तरफ से निःशुल्क है। विद्यालय संचालन समिति के प्रमुख श्री विजय सिंह चौहान ने गत 4 माह में विद्यालय की प्रगति की जानकारी दी। विद्यालय प्रधानाध्यापिका श्रीमती सोनाली ने कहा कि अभी विद्यालय में 30 प्रतिशत से अधिक बच्चे निःशुल्क पढ़ रहे हैं और इस योजना से उन बच्चों के सपने साकार हो रहे हैं जिन्हें धन के अभाव में स्तरीय शिक्षा नहीं मिल पा रही है। कार्यक्रम में भार्गव परिवार ने सभी बच्चें को स्कूल बैग, कलर व पैंसिल बॉक्स उपहार स्वरूप दिए और शिक्षकों का भी सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री चांदनी द्वारा किया गया।

अपनी गलती तुरन्त स्वीकार करने वाले व्यक्ति सद्गुणी होते हैं

तारा संस्थान में पधारे अतिथि महानुभावों का स्वागत सम्मान

श्री राम रतन, श्री प्रदीप कुमार, श्री जी.आर. गुप्ता, हरियाणा

श्रीमती मीनाक्षी गुप्ता, नई दिल्ली

श्रीमती एवं श्री शरद कुमार भार्गव, रेवाड़ी

श्रीमती एवं श्री राजेन्द्र कुमार, दिल्ली

श्री दिनेश भारती कोठारी, मुम्बई

श्री अनिल विश्वनाथ गोडबोले, उज्जैन (एम.पी.)

जो कांटे बोते है उन्हें फूल चुनने की आशा कभी नहीं करनी चाहिए।

Tara बुजुर्गों के लिए...

''तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया''

श्री पन्नालाल माधवानी, इन्दौर (म.प्र.)

श्री धर्म नारायण अग्रवाल, कानपुर

श्री हरी शिव श्रीवास्तव, वाराणसी

श्री अर्जुन कुमार अग्रवाल, गोरखपुर

श्रीमती पुष्पा अग्रवाल, गोरखपुर

श्री रमेश कुमार अग्रवाल, वाराणसी

एक नि:शक्त लड़की की महान कहानी

विल्मा रुडोल्फ़ का जन्म टेनेसी के एक गरीब परिवार में हुआ था। चार साल की उम्र में उसे डबल निमोनिया और काला बुखर ने गंभीर रूप से बीमार कर दिया। इनकी वजह से उसे पोलियो हो गया। वह पैरों को सहारा देने के लिए ब्रेस पहना करती थी। डॉक्टरों ने तो यहाँ तक कह डाला था कि वह जिन्दगीभर चल–फिर नहीं सकेगी। लेकिन विल्मा की माँ ने उसकी हिम्मत बढ़ाई और कहा कि ईश्वर की दी हुई क्षमता, मेहनत और लगन से वह जो चाहे कर सकती है। यह सुन कर विल्मा ने कहा कि वह इस दुनिया की सबसे तेज़ धाविका बनना चाहती है। नौ साल की उम्र में डॉक्टरों के मना करने के बावजूद विल्मा ने ब्रेस को उतार कर पहला कदम उठाया, जबकि डॉक्टरों ने कहा था कि वह कभी चल नहीं पाएगी। 13 साल की होने पर उसने अपनी पहली दौड़ प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और सबसे पीछे रही। उसके बाद वह दूसरी, तीसरी, चौथी दौड़ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेती रही और हमेशा आख़िरी स्थान पर आती रही। वह तब तक कोशिश करती रही, जब तक वह दिन नहीं आ गया, जब वह फर्स्ट आई। 15 साल की उम्र में विल्मा टेनेसी स्टेट यूनिवर्सिटी गई, जहाँ वह एड टेम्पल नाम के कोच से मिली। विल्मा ने उन्हें अपनी यह ख्वाहिश बताई कि ''मैं दुनिया की सबसे तेज धाविका बनना चाहती हूँ।'' तब टेम्पल ने कहा, ''तुम्हारी इसी इच्छाशक्ति की वजह से तुम्हें कोई भी नहीं रोक सकता और साथ में मैं भी तुम्हारी मदद करूँगा। आखिर वह दिन आया जब विल्मा ने ओलंपिक में हिस्सा लिया। ओलंपिक में दुनिया से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में मुकाबला होता है। विल्मा का मुक़ाबला जुत्ता हैन से था, जिसे कोई भी हरा नहीं सक था। पहली दौड़ 100 मीटर की थी। इसमें विल्मा ने जुत्ता को हराकर अपना पहला गोल्ड मेडल जीता। दूसरी दौड़ 200 मीटर की थी। इसमें विल्मा ने जुत्ता को दूसरी बार हराया और उसे दूसरा गोल्ड मेडल मिला। तीसरी दौड़ 400 मीटर की रिले रेस थी और विल्मा का मुक़ाबला एक बार फिर से जुत्ता से ही था। रिले में रेस का आखिरी हिस्सा टीम का सबसे तेज एथलीट ही दौड़ता है। इसलिए विल्मा और जुत्ता, दोनों को अपनी–अपनी टीमों के लिए दौड़ के आखिरी हिस्से में दौड़ना था। विल्मा की टीम के तीन लोग रिले रेस के शुरूआती तीन हिस्से में दौड़े और आसानी से बेटन बदली। जब विल्मा के दौड़ने की बारी आई, उसके हाथ से बेटन ही छूट गई। लेकिन विल्मा ने देख लिया कि दूसरे छोर पर जुत्ता हैन तेजी से दौड़ चली है। विल्मा ने गिरी हुई बेटन उठाई और मशीन की तरह ऐसी तेजी से दौड़ी कि जुत्ता को तीसरी बार भी हराया और अपना तीसरा गोल्ड मेडल जीता। यह बात इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई कि एक लकवाग्रस्त महिला 1960 के ओलंपिक में दुनिया की सबसे तेज धाविका बन गई। विल्मा से हमें क्या सीखना चाहिए?इ ससे हमें शिक्षा मिलती है कि कामयाब लोग कठिनाईयों के बावजूद सफलता हासिल करते हैं, न कि तब, जब कठिनाईयों नहीं होती। जब हम किसी ऐसे व्यक्ति की कहानी सुनते या पढ़ते हैं, जिसने अपनी कमियों को खूबियों में बदल दिया हो, तब क्या हम उत्साहित नहीं होते? यदि हम ऐसे ही कामयाब लोगों की जीवनी पढ़ें, तो क्या हमारा भी हौसला नहीं बढ़ेगा?

विपरीत परिस्थितियों में भी जो ईमान, साहस और धैर्य को कायम रख सके, वही सच्चा शूरवीर है।

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Office
Unit No. 1408/7, 1st Floor,
Israni Indl. Estate, Penkarpara,
Nr. Dahisar Check-post,
Thane - 401104 (M.S.) INDIA
Shri Madhusudan Sharma Cell : 07821855746
Shri Bharat Menaria Cell : 07821855755
Jagdish Choubisa Cell : 07821855748

Delhi Office
WZ-270, Village - Nawada,
Opp. 720, Metro Pillar,
Uttam Nagar,
Delhi - 59
Shri Amit Sharma,
Cell : 07821855779

Surat Office
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 07821855751 (Raj.)

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा

(प्रतिबुजुर्ग) 01 माह - 5000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai - 400 101, Cell : 09029643708

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (CG)
Cell : 09329817446

Smt. Pooja Jain
Saharanpur (UP)
Cell : 09411080614

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006, 09414473392

Shri Dinesh Taneja
Barelly (UP)
Cell : 09412287735

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 07821855756

Shri Bhanwar Devanda
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Shri Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Shri Sanjay Choubisa
Shri Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821055717, 07821855741

Donors Kindly NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. 09549399993 and / or 09649399993

गौरी योजना सेवा

(प्रति विधवा महिला सहायता) 01 माह - 1000 रु., 06 माह - 6000 रु., 01 वर्ष - 12000 रु.

विपत्ति आए तो धैर्यपूर्वक सहन करें। सम्पत्ति आए तो क्षमावान बनें।

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mrs. Neelam & Mr. Vivek Rawat
Morak

Mrs. Shanti & Mr. Jagdish Prasad Gupta
Kota (Raj.)

Mr. Giriraj Prasad & Mrs. Leela Devi Sharma
Kota (Raj.)

Mr. Jeetendra Vaishy & Family

Lt. D.N. Sharma & Mrs. Pramod Lata Sharma
Noida (UP)

Lt. Dr. Shyam Nath Consul &
Lt. Smt. Laxmi Devi

Mr. Vinay Kumar & Mrs. Sudesh Vaid
Jaipur (Raj.)

Mr. B.G. Deshmukh
Bhopal (MP)

Mr. Shiv Kumar Kataria
Mumbai

Mr. Radheshyam & Mrs. Tara Devi
Khandelwal, Ujjain (MP)

Mr. Vikas & Mrs. Sonia Gupta
Agra (UP)

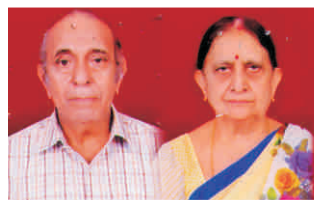

Mr. Charanjeet & Mrs. Kamlesh Ahuja
Bilaspur

Mrs. Kitabo Devi
Gurgaon

Mr. Harsh Patel Ghildiyal
Kota (Raj.)

Mr. Hari Charan Jain
Ahmedabad

Mrs. Poonam

Mr. Pawan Garg
Muktasar (PB)

Mr. Sohan Lal Dary
Kota (Raj.)

Mr. Govardhan Singh
Chauhan, Indore (MP)

Mrs. Shanti Devi
Panchkula

Mr. Sunil Kumar
Vagha Purana Moga

Mr. Yogendra Singh
Shekhawat, Jodhpur (Raj.)

Mr. Manoj Kumar Sharma
Kota (Raj.)

Mr. Om Prakash Khatri
Bikaner (Raj.)

Mr. Bulaki Dal Purohit
Bikaner (Raj.)

Mrs. Chand Rani
Patiala

Mrs. Madhuri Jain (Ahinsa)
Agra (UP)

Mr. Surendra Kumar Jain
Chandigarh

Mr. Arjun Das Parwani
Agra (UP)

Mr. B.S. Gupta
Yamunanagar

Mrs. Krishna Gupta
Yamunagar

Lt. Mrs. Kasturi Lal
Patiala

Dr. Ram Sewak Shukla
Ujjain (MP)

Mr. N.K. Gupta
Gurgaon

जीवन एक किताब

हमारा जीवन भी एक किताब है। जिसका प्रथम पृष्ठ जन्म, अन्तिम पृष्ठ मृत्यु व मध्य भाग रिक्त पृष्ठ है। इस किताब को प्यार कीजिये! इसके रिक्त पृष्ठों को नम्रता, प्रेम, ईमानदारी, सत्य करुणा, उदारता व त्याग रुपी सतरंगों से भर दीजिये!

फिर देखना!

सांसारिक यात्रा का सभापन इस प्रकार होगा जैसे कोई फूल डाली में, हवाओं में लहराता हुआ अपनी खुशबू बिखेरता है। हवा में तैरती खुशबू उसकी मीठी याद बन जाती है और उस पार भी आपके लिए परमपिता परमात्मा अपने सिंहासन से उठ कर कहेगा – मेरे प्रिय आपका स्वागत है। ''शायर ने भी कहा है'', खुदी को कर बुलंद इतना हर तकदीर से पहले खुदा बन्दे से खुद पूछे कि बता तेरी रजा क्या है?''

नवल किशोर गुप्ता, समाज सेवक
फरीदाबाद

अजी सुनते हो

बरामदे में पड़ी इकलौती लड़खड़ाती कुर्सी पर बैठे थे बाबू जी। ऐनक नाक की टोर पर टिकाए, दूर शून्य में, सुन्नता से, कुछ निहार रहे थे, बाबूजी। रोजमर्रा की तरह छोटी बहू की कर्कश आवाज, जब कभी सुनाई दे जाती थी, तब कहीं अतीत में खो जाते थे – बाबूजी। पुनः वही स्वर :

''अजी सुनते हो! मुरली कबाड़ी को तोते का खाली पुराना पिंजड़ा क्यों नहीं बेच देते। टूट चुका है, गल चुका है, उसका सब कुछ लुट चुका है।''

चैतन्य शून्य से थके – हारे – टूटे से, केवल दाएँ हाथ के हत्थे से टेक लगा उठे थे बाबूजी। आज उन्हें भी अपना वजूद हिलता नजर आया था।

योगेश अग्निहोत्री
प्रभात नगर, सेक्टर – 5, उदयपुर

Kindly watch telecast of Tara's Programme on T.V. Channels

'Paras' 8.40 PM to 9.00 PM

'Ashtha Bhajan' 8.40 AM to 9.00 AM

INDIA **'Ashtha' (INDIA)** Sunday 2.30 PM

UK **'Ashtha' (UK)** 8.30 AM

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G and 35 AC / 80GGA of I.T. Act. 1961 at the rate of 50% and 100%

TARA NETRALAYA

WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720, Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 59

DELHI HOSPITAL - Tara Netralaya
+91 9560626661, 011-25357026

TARA NETRALAYA

Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl. Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post, Meera Road, Thane - 401107 (M.S.) INDIA

MUMBAI HOSPITAL - Tara Netralaya
Shankar Singh Rathore +91 8452835042
022 - 28480001

Donation to Tara Sansthan may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	**IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750	**IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	**IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491	**IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426	**IFS Code : hdfc0001273**
Canara Bank A/c No. 0169101056462	**IFS Code : cnrb0000169**
Central Bank of India A/c No. 3309973967	**IFS Code : cbin0283505**

For online donations - kindly visit - www.tarasansthan.org
Pan Card No. Tara - AABTT8858J

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपरेशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा

(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)
01 माह - 1500 रु.
06 माह - 9000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.

गौरी योजना सेवा

(प्रति विधवा महिला सहायता)
01 माह - 1000 रु.
06 माह - 6000 रु.
01 वर्ष - 12000 रु.

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा

(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 5000 रु.
06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 60000 रु.

एक विधवा महिला के बच्चे की शिक्षा हेतु वार्षिक सहयोग - 8000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 11000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G व 35AC/ 80GGA के अन्तर्गत आयकर में 50% व 100% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFS Code : icic0000045	HDFC A/c No. 12731450000426	IFS Code : hdfc0001273
SBI A/c No. 31840870750	IFS Code : sbin0011406	Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFS Code : cnrb0000169
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFS Code : IBKL0001166	Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFS Code : cbin0283505
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFS Code : utib0000097	Pan Card No. Tara - AABTT8858J	

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' रात्रि 8.40 से 9.00 बजे

'आस्था भजन' प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

INDIA 'आस्था' (भारत) रविवार दोपहर 2.30 बजे

U.K. 'आस्था' (यू.के.) प्रात: 8.30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
बुजुर्गों के लिए...

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993

Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org
Website : www.tarasansthan.org